

FORM NO III

फर्द अहकाम
(नियम 26)

न्यायालय अतिरिक्त जिला कलेक्टर, सवाईमाधोपुर

राष्ट्रीय लोक अदालत 18/06/2015

मुलाल पुत्र कोरया बैरवा निवासी सिंगौरकलां तहसील खण्डार
बनाम

सरकार जरिये नायब तहसीलदार, बहरावण्डाकलां

अपील अन्तर्गत धारा 75 राज.भू-राजस्व अधि.1956 अपील संख्या 320/14

किसम या कार्यवाही इनिशियल्स जज

अपीलार्थी ने यह अपील राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 75 के अन्तर्गत नायब तहसीलदार, बहरावण्डाकलां द्वारा मिसल संख्या 819/12 में पारित आदेश दिनांक 23/09/12 के विरुद्ध प्रस्तुत की है जिसके द्वारा अपीलार्थी को ग्राम सिंगौरकलां के आराजी नम्बर 593 रकवा 0.06 बीघा किसम गै.मु.तलाई पर संवत् 2069 खरीफ में अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण कर कब्जा काश्त करने का कर्ता मानकर अतिक्रमित भूमि से बेदखल करने, शास्ति आरोपित करने, फसल जब्त कर नीलामी के साथ साथ पश्चातवर्ती अतिचारी मानते हुए सिविल कारावास की सजा के दण्ड से दण्डित करने का आदेश पारित किया गया है।


अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पो0 की तलबी जरिये सम्मन की गई तथा अपीलाधीन निर्णय से संबंधित पत्रावली तलब की गई। रेस्पो0 की ओर से राजकीय परोकार उपस्थित आये तथा अधीनस्थ न्यायालय की अपीलाधीन आदेश संबंधी पत्रावली प्राप्त होने पर प्रकरण निस्तारण हेतु राजस्व लोक अदालत में रखी गई।

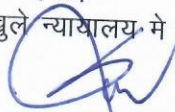
वकील उभय पक्ष उपस्थित। वकील अपीलार्थी को सुना तो उसने अवगत कराया कि अपीलार्थी ने अतिक्रमित आराजी से अपना कब्जा हटा लिया है। वर्तमान में मोकें पर कोई कब्जा काश्त नहीं है। अदालत मातहत ने अपीलाधीन निर्णय बिना जाँच किये हुए पारित किया है। अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर अदालत मातहत का निर्णय निरस्त फरमाया जावे।

विद्वान वकील रेस्पो0 ने बहस में तर्क दिया कि यद्यपि वकील अपीलाण्ट ने अतिक्रमित आराजी से अपना कब्जा हटा लेने को कहा है परन्तु सिविल कारावास की सजा को माफ किये जाने से पूर्व कब्जा हटा लेने बाबत जाँच करवाया जाना आवश्यक है। अतः अपील अपीलाण्ट इस तर्क पर अदालत मातहत को प्रतिप्रेषित की जावें।

उभय पक्ष की बहस सुनने उस पर मनन करने तथा पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात् अपील अपीलार्थी राजस्व लोक अदालत की भावना से आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है जिसमें बेदखली, शास्ति व फसल जब्त कर नीलामी का आदेश तो यथावत रखा जाता है तथा सिविल कारावास के बिन्दु पर प्रकरण नायब तहसीलदार, बहरावण्डाकला को इस निर्देश के साथ प्रतिप्रेषित किया जाता है कि वे स्वयं मोकें पर जाकर जाँच करे कि अपीलार्थी का अतिक्रमित आराजी पर वर्तमान फसल रबि में कब्जा काश्त रहा है अथवा नहीं। यदि वाद जाँच अपीलार्थी का कब्जा काश्त नहीं हो तो अपीलाधीन निर्णय में पारित सिविल कारावास की सजा को निरस्त समझे अन्यथा स्थिति में सिविल कारावास की सजा का आदेश यथावत रहेगा।

निर्णय आज दिनांक 18/06/15 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


(कुंजबिहारी शर्मा)
सदस्य


(बलदेव सिंह हाडा)
अतिरिक्त जिला कलेक्टर,
सवाईमाधोपुर